

जून में जेईई के चलते आइआइटी का सेशन भी होगा लेट

अब सितंबर से शुरू हो सकता है नया एकेडमिक सेशन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर. कोरोना के चलते देश भर के एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स बंद पड़े हैं। वहीं 12वीं क्लास के बोर्ड एग्जाम्स भी बचे हुए हैं। ऐसे में नया एकेडमिक सेशन शुरू होने में देरी होना तय है। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) की ओर से गठित पैनल ने भी एचआरडी मिनिस्ट्री को सिफारिश की है कि एकेडमिक सेशन 2020-21 जुलाई की जगह सितंबर में शुरू किया जा सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। मई के तीसरे सप्ताह तक स्थितियां साफ होना शुरू होगी। अगर स्थिति नियंत्रण में रही तो नए एकेडमिक सेशन में ज्यादा देरी नहीं होगी।

अगली कक्षा में प्रोविजनल प्रमोट करेंगे

राजस्थान यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर आरके कोठारी का कहना है कि वैसे तो 12वीं क्लास के सभी मेन पेपर्स हो चुके हैं। वहीं लॉकडाउन खुलते ही इवैल्यूएशन



चांसलर आरके कोठारी का कहना है कि वैसे तो 12वीं क्लास के सभी मेन पेपर्स हो चुके हैं। वहीं लॉकडाउन खुलते ही इवैल्यूएशन

इंस्टीट्यूशन के लिए ओपन हो वर्चुअल लैब्स

पू. निमा यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर राहुल सिंघी का कहना है कि नया एकेडमिक सेशन जितना लेट शुरू होगा, स्टूडेंट्स के पास उतना ही कम समय होगा। पहले से ही एनरोल्ड स्टूडेंट्स के ऑनलाइन असेसमेंट के बाद उन्हें अगले सेमेस्टर में प्रमोट किया जाना चाहिए।

साथ ही गवर्नमेंट को वर्चुअल लैब्स भी इंस्टीट्यूशन के लिए ओपन कर देनी चाहिए, ताकि प्रैक्टिकल्स में कोई दिक्कत नहीं हो। जब तक 12वीं के एग्जाम्स नहीं होते, तब तक नीट व जेईई भी नहीं हो सकते हैं। अब एनटीए इन्हें जून में आयोजित कराने की प्लानिंग कर रहा है।



एकेडमिक डिलीवरी पर पड़ेगा प्रभाव

जे. के लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर आरएल रायना का कहना है कि सेशन के सितंबर से चालू होने पर एकेडमिक डिलीवरी पर प्रभाव पड़ेगा। हालांकि यदि जरूरत होगी तो इसे करना ही पड़ेगा। जिन इंस्टीट्यूट्स को



क्वारेन्टाइन सेंटर बनाया गया है एवं वहां लोगों को रखा गया है, तो फिर वहां की तमाम परिस्थितियों के अनुरूप ही सरकार तय करे कि नया सेशन कब से शुरू करना है। इससे पहले कोरोना की स्थिति कब तक काबू में आती है, इस पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा।

एक्स्ट्रा लेक्चर्स होंगे मददगार



यू. निवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के वाइस चेयरपर्सन अंशु सुराणा का कहना है कि यूजीसी के पैनल पर एमएचआरडी कुछ समय में निर्णय लेगा। क्वारेन्टाइन सेंटर के चलते कई संस्थाएं व्यस्त हैं, ऐसे में अंतिम निर्णय तमाम पहलुओं को देखते हुए लेना चाहिए। एकेडमिक सेशन देरी से शुरू होनी की स्थिति में एक्स्ट्रा लेक्चर्स आयोजित किए जाएंगे।

का काम भी शुरू हो जाएगा। ऐसे में रिजल्ट में बहुत ज्यादा देरी नहीं होगी। अगर जून लास्ट तक भी एग्जाम पूरे हो जाते हैं, तो जुलाई में एडमिशन प्रोसेस शुरू करके जुलाई लास्ट या अगस्त में नया एकेडमिक सेशन शुरू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर लॉकडाउन और आगे नहीं बढ़ता है, तो हम जून के फर्स्ट वीक से

थर्ड ईयर और पीजी लास्ट ईयर की परीक्षाएं शुरू कर देंगे। वहीं सैकंड और फोर्थ सेमेस्टर की बची हुई क्लासेज के बाद 25 जून से इनके एग्जाम भी शुरू कर देंगे। यूजी फर्स्ट व सैकंड ईयर व पीजी प्रीवियस ईयर के स्टूडेंट्स को अगली कक्षा में प्रोविजनल प्रमोट कर देंगे। ऐसे में बच्चों को एकेडमिक लॉस भी नहीं होगा।



पत्रिका

Sun, 26 April 2020
epaper.patrika.com/c/51312030

